संभावना | पर्यटकों की संख्या बढ़ने के साथ ही रोजगार के बढ़ रहे हैं संसाधन, लोगों ने घरों को गेस्ट हाउस और स्टे होम में बदलना शुरू किया

एनसीआर के बाद अयोध्या बनेगी रोजगार का बड़ा केंद्र

■ शैलेंद्र श्रीवास्तव

अयोध्या । श्रीराम की नगरी अयोध्या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के बाद प्रदेश में रोजगार का सबसे बड़ा केंद्र बनने जा रही है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद दो दिन में ही देखा जाए जो श्रद्धालुओं की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। सामान्य दिनों में राम जन्मभूमि में दर्शन करने वालों की संख्या 60 से 65 हजार होती थी। यह छह से आठ गुना बढ़ गई है। आने वाले दिनों में इसमें और वृद्धि की संभावना है। इसका सीधा फायदा अयोध्या वासियों को मिलेगा।

सरकार ने बढ़ाया शहरी दायरा: राज्य सरकार अयोध्या का दायरा बढ़ाकर 830 वर्ग किलोमीटर करने जा रही है। पहले चरण में 133 वर्ग किलोमीटर दायरा मास्टर प्लान में अधिसूचित किया जा चुका है। शेष दूसरे चरण में किया जाएगा। अयोध्या शहर का दायरा इसीलिए नए सिरे से तय किया गया है कि आने वाले समय में यहां आने वाले भक्तों की संख्या में भारी इजाफा होगा। इनसे अयोध्या के साथ ही गोंडा, बस्ती और बाराबंकी के कुछ क्षेत्रों को फायदा होगा।

अयोध्या में जिस तरह से श्रद्धालु उमड़ रहे हैं, उससे भविष्य उज्ज्वल दिख रहा है।

सरकार की सोच का दिखने लगा असर

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान सरकार की दूरदृष्टि का परिणाम दिखाई देने लगा है। विभीषण कुंड के पास रहने वाले अनिल मिश्रा ने अपने घर में स्टे होम बना लिया है। इसी तरह सप्त सागर कालोनी के रहने वाले रोहित वर्मा ने भी अपने घर के कुछ भाग को गेस्ट हाउस बना दिया है।

इन आठ क्षेत्रों में लोगों को मिलेगा रोजगार

राम नगरी में मंदिर बनने के बाद आठ सेक्टरों आध्यात्मिक पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा, नॉलेज एवं इनोवेशन, खुदरा बाजार, पर्यटन बाजार, मिश्रित वाणिज्यिक गतिविधियां, एमएसएमई और सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में नौकरियां मिलेंगी। होटल, रेस्टोरेंट, गेस्ट हाउस के लिए नए द्वार खुलेंगे।

सरकार ने प्रारंभिक रूप में अनुमान लगाया है कि सीधे तौर पर आठ लाख और अन्य क्षेत्रों में 10 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा।